100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 28 March 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

वीसी केयर फंड में 50 हजार तक मिलेगी सहायता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने विवि के जरूरतमंद छात्रों के आर्थिक सहयोग के लिए वीसी केयर फंड की स्थापना की घोषणा की थी। अब विवि की वित्त समिति ने इसके लिए तैयार मानकों पर मुहर लगा दी है। इसके अनुसार एक विद्यार्थी को एक सत्र में अधिकतम 50 हजार रुपये तक का सहयोग मिल सकेगा। वहीं पांच हजार से कम का इसके लिए आर्थिक सहयोग नहीं कर सकते हैं। विवि प्रशासन के अनुसार इसके लिए एकत्र निधि का प्रबंधन एक समिति द्वारा किया जाएगा, जिसमें अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी व कुलपति द्वारा नामित दो प्रोफेसरों के साथ एक छात्र प्रतिनिधि भी शामिल होगा। वीसी केयर फंड का संचालन डीएसडब्ल्यू व वित्त अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा। कुलपति के अनुमोदन पर इसका प्रयोग किया जाएगा।

लविवि की वित्त समिति ने इसके लिए तैयार मानक पर लगाई मुहर

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फंड के लिए वही छात्र पात्र होंगे, जिन्हें किसी भी अन्य श्रोत से कोई वित्तीय मदद न मिल रही हो और किसी प्रकार का दंड न मिला हो। एक सत्र में विद्यार्थी को एक ही बार ही लाभ मिलेगा। वीसी केयर में सहयोग भारतीय व भारतीय मूल के विदेशी नागरिक, संस्थाओं द्वारा दिया जा सकेगा। यदि कोई दान किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए आता है तो फंड का उपयोग उसी के लिए ही किया जाएगा। दान के लिए कोई अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन न्यूनतम पांच हजार रुपये निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सूत्र वाक्य सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास के क्रम में यह कवायद शुरू की गई है। उन्होंने विवि के पूर्व छात्रों व समाज के विशिष्ट जनों का आह्वान किया कि वो छात्रों के हित में आगे आएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

चेन्नई को अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का खिताब

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रथम अंतरराष्ट्रीय न्यायमूर्ति वीके दीक्षित मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का श्रेष्ठ टीम का खिताब स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन लॉ, डॉ. अंबेडकर यूनिवर्सिटी चेन्नई को मिला। इनाम में उसे 30 हजार नगद व ट्रॉफी दी गई। वहीं रनर अप यूपीईएस देहरादून की टीम को 15 नकद व ट्रॉफी व मिली। श्रेष्ठ मूटर अवॉर्ड स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन लॉ डॉ. अंबेडकर यूनिवर्सिटी चेन्नई के मो. साजिद, श्रेष्ठ रिसर्चर का अवॉर्ड यूनिटी डिग्री कॉलेज की सत्या सिंह भदौरिया को, श्रेष्ठ मेमोरियल सिंबोसिस लॉ स्कूल पुणे को मिला। इन्हें 5000 नकद व ट्रॉफी दी गई। इससे पहले रविवार को प्रतियोगिता का सेमी फाइनल व फाइनल राउंड हुआ। फाइनल राउंड में बतौर जज व समापन समारोह में अतिथि हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति मौजूद रहे। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति जस्टिस राजेंद्र सिंह चौहान, न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी मौजूद रहे। समापन समारोह में लखनउ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत चंद्रा, डीन प्रो. सीपी सिंह, हरजोत सिंह सॉलिसिटर एडवोकेट यूके, विवेक राय, गुरमीत सिंह, विवेक कुमार राय, अमित जायसवाल, अजय कुमार द्विवेदी, बाजिंदर सिंह, शैलेंद्र सिंह रजावत, गया सिंह चौहान आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

वीसी केयर फंड से छात्र को वर्ष में एक बार मदद

सुविधा

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलयू के जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय मदद के लिए वीसी केयर फंड की स्थापना की है । इस के लिए एकत्रित निधि का प्रबंधन एक समिति द्वारा किया जाएगा।

समिति के सदस्यों मे अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, कुलपति द्वारा नामित दो प्रोफेसर के साथ एक छात्र प्रतिनिधि भी हैं। वीसी केयर फंड का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं वित्त अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से कुलपति के अनुमोदन पर होगा।

वीसी केयर फंड प्रबंधन समिति नियमों के लेखा जोखा के लिए जिम्मेदार होगी और समिति अपनी सिफारिश कुलपति को उनके विचार और निर्णय के लिए प्रस्तुत करेगी। फंड के लिए केवल वही छात्र पात्र होगें जिन्हें किसी भी अन्य स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद न मिल रही हो। इसके साथ ही पात्र छात्र किसी प्रकार के दंड का भागी न रहा हो। यदि किसी छात्र को किसी वित्तीय वर्ष में एक बार वीसी केयर फंड का लाभ मिल जाता है तो वह उसी वित्तीय वर्ष में दूसरी बार वीसी केयर फंड के लिए पात्र नहीं होगा । दान के लिए कोई अधिकतम सीमा नहीं है लेकिन न्यूनतम 5000 है। इसी प्रकार सहायता के लिए एक वित्तीय वर्ष मे 50000 रुपये की सीमा निर्धारित की गई है ।

असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए परीक्षा

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 80 पदों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिखित परीक्षा रविवार को हुई। दो पालियों में हुई परीक्षा के लिए 1091 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिसमें 59 फीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। लिखित परीक्षा का निरीक्षण करने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय पहुंचे। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक गैजेट प्रतिबंधित था। एलयू न्यू कैम्पस के इंजीनियरिंग संकाय के न्यू ब्लॉक में सुबह 10 से 11 बजे की पाली मे मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग पदों के लिए लिखित परीक्षा हुई। इसके बाद वहीं दोपहर 12 से एक बजे की पाली में वाणिज्य वर्ग के पदों के लिए अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

JAGNRAN CITY PAGE III

लवि : चेन्नई ला यूनिवर्सिटी विजयी

अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीम ट्राफी के साथ जस्टिस राजेश सिंह चौहान, जस्टिस संगीता चंद्रा, जस्टिस सुभाष विद्यार्थी, डीन प्रो. सीपी सिंह व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत चंद्रा ● सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय में चल रही तीन दिवसीय प्रथम अंतरराष्ट्रीय न्यायमूर्ति वीके दीक्षित मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल राउंड हुआ। इसमें श्रेष्ठ टीम स्कूल आफ एक्सीलेंस इन लॉ डा. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, चेन्नई रही।

विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डीन प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि प्रथम स्थान पर आने वाली टीम को 30 हजार रुपये और ट्राफी से सम्मानित किया गया। रनर अप टीम यूपीईएस, देहरादून को 15 हजार की नकद राशि, ट्राफी तथा मेडल दिया गया। श्रेष्ठ मूटर अवार्ड स्कूल आफ एक्सीलेंस इन लॉ डा. अंबेडकर यूनिवर्सिटी चेन्नई के मोहम्मद साजिद, श्रेष्ठ रिसर्चर अवार्ड यूनिटी डिग्री कालेज लखनऊ की सत्या सिंह भदौरिया को और श्रेष्ठ मेमोरियल सिंबोसिस लॉ स्कूल पुणे को दिया गया। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा एवं विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति जस्टिस राजेंद्र सिंह चौहान, न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी रहे। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत चंद्रा बतौर विशेष अतिथि समापन समारोह में मौजूद रहे। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा ने छात्रों को मूट कोर्ट की मानवीय विधि के बारे में बताते हुए शरणार्थियों की व्यथा और भारत विभाजन के बाद देश की स्थिति पर चर्चा की। संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

लवि में हुआ शौचालयों और सफाई व्यवस्था का आडिट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहली बार पुराने व नए परिसर के शौचालयों एवं वहां की सफाई व्यवस्था का आडिट कराया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने अपनी टीम के माध्यम से शनिवार को 16 संकेतकों पर आधारित एक सर्वेक्षण कराया था। इसमें परिसर के भीतर विभागों, भवनों और सामान्य स्थानों में शौचालयों से संबंधित सुविधाओं के आधार पर संकलित किया गया था।

उन्होंने बताया कि संकेतकों में मुख्य रूप से शौचालयों में बुनियादी सुविधाओं जैसे भवनों में छात्र-छात्राओं के शौचालय की उपलब्धता, शौचालय सीटें, नल और शौचालय फ्लश, मूत्रालय और वाशबेसिन का सुचारू रूप से होना शामिल हैं। स्वच्छता के लिए मूलभूत सुविधाओं के अलावा शौचालयों में पर्याप्त वेंटिलेशन के लिए एग्जास्ट फैन, लाइट फिटिंग, शौचालय के सभी दरवाजों पर बोल्ट की व्यवस्था, कंटेनर और कूड़ेदान की उपलब्धता का सर्वेक्षण भी किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा विश्लेषण किया गया। पता चला कि कुछ विभागों में एग्जास्ट फैन, नल और फ्लश की मरम्मत की जरूरत है। कई जगह एग्जास्ट फैन नहीं थे। सफाई कर्मचारियों की भी कमी मिली।

वाशरूम और शौचालय में सामान्य प्रयोग की आपूर्ति सुनिश्चित रखने के लिए नियमित फालोअप के साथ रख-रखाव के निर्देश भी दिए गए। कुछ जगहों पर इंसीनरेटर मशीन लगाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि आउटसोर्सिंग पर 80 सफाई कर्मी रखने की मंजूरी मिल गई है। इनकी तैनाती की जाएगी।

वीसी केयर फंड से जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेगी मदद

वित्तीय वर्ष में 50 हजार रुपये तक मिलेगी सहायता, रविवार को निर्देश किए गए जारी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने दी जानकारी

जासं, लखनऊ : लवि अपने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके लिए मानक तय करते हुए वित्त समिति से मंजूर कर दिए गए हैं। इसके लिए किसी भी विद्यार्थी की सहायता के लिए एक वित्तीय वर्ष में 50,000 रुपए की सीमा निर्धारित की गई है। रविवार को इसके निर्देश भी जारी किए गए।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एकत्रित निधि का प्रबंधन एक समिति द्वारा किया जाएगा। समिति में अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, कुलपति की ओर से नामित दो अधिकारियों के साथ-साथ, एक छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं। वीसी केयर फंड का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं वित्त अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से कुलपति के अनुमोदन पर किया जाएगा। फंड प्रबंधन समिति नियमों के लेखा जोखा के लिए जिम्मेदार होगी और समिति अपनी सिफारिश कुलपति को प्रस्तुत करेगी।

ये होंगे पात्र : वित्तीय सहायता के वही छात्र-छात्रा पात्र होंगे, जिन्हें किसी भी दूसरे स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद न मिल रही हो। इसके साथ ही किसी प्रकार के दंड का भागी न रहा हो। यदि किसी छात्र को किसी वित्तीय वर्ष में एक बार फंड का लाभ मिल जाता है तो वह उसी वित्तीय वर्ष में दूसरी बार पात्र नही होगा।

कोई भी कर सकता है दान : वीसी केयर फंड के लिए निधि भारतीय, भारतीय मूल के विदेशी नागरिक, संस्थाओं द्वारा दिए गए दान के माध्यम से उत्पन्न की जा सकेगी। यदि कोई दान किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए आता है तो फंड का उपयोग उस उद्देश्य के लिए ही किया जाएगा। दान के लिए कोई अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन न्यूनतम 5000 रुपये निर्धारित की गई है। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने साथ पास कर दिया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों व समाज के विशिष्ट जनों का आह्वान किया कि वे छात्रों के व्यापक हित में आगे आएं और इस प्रयास को आगे बढ़ाएं।

41% ने दी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा

लवि में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए परीक्षा देते अभ्यर्थी ● सौजन्य विश्वविद्यालय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब पांच महीने के इंतजार के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर के 80 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा रविवार को आयोजित की गई। परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों को कोविड प्रोटोकाल के तहत प्रवेश दिया गया। इस दौरान मोबाइल आदि को केंद्र के बाहर ही रखवा दिया गया। दोनों पाली की परीक्षाओं में 41 फीसद अभ्यर्थी शामिल हुए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट और कामर्स में स्थायी व अस्थायी पदों पर होने वाली भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए नवीन परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय के न्यू ब्लाक को केंद्र बनाया गया। सुबह 10 से 11 बजे तक मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग के लिए परीक्षा हुई। गेट पर अभ्यर्थियों की चेकिंग कर उनका प्रवेश पत्र, पहचान पत्र व फार्म की कापी चेक करके प्रवेश दिया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने केंद्र का निरीक्षण किया। उनकी निगरानी में ही दोनों पाली के प्रश्न पत्र खोले गए।

एक-एक घंटे की हुई परीक्षा : दोनों पालियों की परीक्षा के लिए एक-एक घंटे का समय था। सुबह 10 से 11 बजे तक मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग और दोपहर 12 से एक बजे तक कामर्स विभाग में नियुक्ति के लिए परीक्षा हुई। पेपर में 40 प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक का एक-एक अंक निर्धारित था। पहली पाली में 510 में 256 अभ्यर्थी शामिल हुए, वहीं दूसरी पाली में 581 में 192 अभ्यर्थियों ने परीक्षा थी। कुल 1091 के सापेक्ष 448 की उपस्थित रहे। इस दौरान डीन रिक्रुटमेंट प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. एएम सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में रविवार को छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी डा. अल्का मिश्रा ने बताया कि ड्रैगन एकेडमी के निदेशक जीपी त्रिपाठी एवं उनकी टीम ने स्वयं सेवकों को मिशन ब्लैक बेल्ट के अंतर्गत आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। इसमें फ्रंट पंचिंग, बैक पंचिंग आदि अनेक गुण सिखाए गए। दूसरी ओर हबीबुल्लाह छात्रावास में एनएसएस के अंतर्गत योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रावास के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

i-NEXT PAGE 2 & 5

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में चेन्नई जीता

LUCKNOW(27 MAR): लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय में चल रही तीन दिवसीय प्रथम अंतरराष्ट्रीय न्यायमूर्ति वीके दीक्षित मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ. अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल राउंड हुआ. इसमें श्रेष्ठ टीम स्कूल आफ एक्सीलेंस इन लॉ डा. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, चेन्नई रही.

ये रहे मौजूद

सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा एवं विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति जस्टिस राजेंद्र सिंह चौहान, न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी रहे. इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत चंद्रा बतौर विशेष अतिथि समापन समारोह में मौजूद रहे. न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा ने छात्रों को मूट कोर्ट की मानवीय विधि के बारे में बताते हुए शरणार्थियों की व्यथा और भारत विभाजन के बाद देश की स्थिति पर चर्चा की. संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी.

30 हजार रुपए और ट्रॉफी

विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डीन प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि प्रथम स्थान पर आने वाली टीम को 30 हजार रुपये और ट्राफी से सम्मानित किया गया. रनर अप टीम यूपीईएस, देहरादून को 15 हजार की नकद राशि, ट्राफी तथा मेडल दिया गया. श्रेष्ठ मूटर अवार्ड स्कूल आफ एक्सीलेंस इन लॉ डा. अंबेडकर यूनिवर्सिटी चेन्नई के मोहम्मद साजिद, श्रेष्ठ रिसर्चर अवार्ड यूनिटी डिग्री कालेज लखनऊ की सत्या सिंह भदौरिया को और श्रेष्ठ मेमोरियल सिंबोसिस लॉ स्कूल पुणे को दिया गया.

प्रथम स्थान पर आने वाली टीम को 30 हजार रुपये और ट्राफी से सम्मानित किया गया.

वीसी केयर फंड से जरूरतमंद छात्रों की मदद

LUCKNOW(27 Mar): लखनऊ विश्वविद्यालय अपने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा. इसके लिए मानक तय करते हुए वित्त समिति से मंजूर कर दिए गए हैं. इसके लिए किसी भी विद्यार्थी की सहायता के लिए एक वित्तीय वर्ष में 50,000 रुपए की सीमा निर्धारित की गई है. रविवार को इसके निर्देश भी जारी किए गए.

समिति की होगी जिम्मेदारी

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एकत्रित निधि का प्रबंधन एक समिति द्वारा किया जाएगा. समिति में अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, कुलपति की ओर से नामित दो अधिकारियों के साथ-साथ, एक छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं. वीसी केयर फंड का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं वित्त अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से कुलपति के अनुमोदन पर किया जाएगा. वीसी केयर फंड प्रबंधन समिति नियमों के लेखा जोखा के लिए जिम्मेदार होगी और समिति अपनी सिफारिश कुलपति को प्रस्तुत करेगी. वित्तीय सहायता के वही छात्र-छात्रा पात्र होंगे, जिन्हें किसी भी दूसरे स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद न मिल रही हो. इसके साथ ही किसी प्रकार के दंड का भागी न रहा हो.

TOI PAGE 3

LU VC Care Fund to extend fin help to needy students

Univ To Give Aid Of Up To ₹50K In A Yr

Times News Network

Lucknow: Extending a helping hand to needy students, the Lucknow University has decided to provide financial aid of up to Rs 50,000 under its 'VC Care Fund'.

Any student facing financial crisis due to serious health issue faced by him/her or a family member, an accident or a tragedy, can opt for the facility. Money will be pooled in through crowdfunding from former students, organizations and various stakeholders.

"We want our illustrious alumni to come forward and donate so that their juniors do not have to face any hardships in pursuing higher education," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

"The fund will be used to safeguard the future of our students. We get a lot of requests from students for financial support but as we have limited resources, it is challenging for us to help all of them. This special fund will come as a relief to the needy," he added.

"A number of our former students wanted to donate money for students but there was no structure to pool funds. Now, anyone can donate a minimum of Rs 5,000 to the VC Care Fund," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon. "Students will have to provide valid documents like income certificate and health reports for financial aid. The facility will be available from the academic session 2022-23," she said.

The funds will be managed by a committee which will be headed by the dean, student welfare, and will have the finance officer as its member secretary, two professors nominated by the VC and a student representative.

"If someone comes to donate for a specific purpose, the amount will be used for that purpose only. There is no maximum limit but the minimum amount has been fixed at Rs 5,000," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

A RAY OF HOPE

- Needy students will be able to get financial assistance of up to ₹50,000
- A student will get aid under the VC Care Fund only once in a financial year
- Students facing financial crisis due to health issues or family tragedy can opt for financial help
- Former students, people based abroad or institutions can donate a minimum of ₹5,000 to the fund

LU resumes process to fill vacant posts

Times News Network

Lucknow: After a long wait of over one and a half years, the recruitment process for nearly 90 vacant permanent teachings posts of assistant professors at Lucknow University gained momentum on Sunday. The written examination for appointments to permanent and contractual posts of assistant professors in commerce, management and engineering faculty was held on the Lucknow University campus. The written examination for appointment of assistant professors in science and art faculties is likely to be held in the second week of April.

At least 1,100 candidates appeared for examination for 10 permanent and 70 contractual posts. LU had initiated the appointement process for around 200 teaching posts (assistant, associate professor and professor) in September 2020. The process was stopped after the rules for teachers' appointment were changed by the Raj Bhawan.

In June last year, the university withdrew its advertisement and a fresh advertisement was issued in October. The appointments are being done as per the new rules.

"So far, we have filled at least 20 permanent posts and we will speed up the recruitment process to fill maximum vacant posts before the new academic session (2022-23) begins," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

"As conducting written examination for appointments was a timetaking process, we began appointing associate professors and professors from November last year. We will first conduct written examination for the posts of assistant professors and will conduct their interviews along with that of associate professors and professors. With this, the appointments for all the three positions will run simultaneously and our resources will be saved as the experts for the interview will not have to come over again to interview candidates for different posts," he added.

"We will keep the written test for assistant professors in April so that all examinations can be held smoothly," the VC said.

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि में हुआ सफाई व्यवस्था का ऑडिट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने मुख्य और द्वितीय परिसर में शौचालयों व सफाई व्यवस्था का लेखा-जोखा लिया है। इसके लिए 16 संकेतकों पर एक सर्वेक्षण किया गया जो स्वच्छता सुविधाओं के लिए बुनियादी हैं। इस सर्वेक्षण मे परिसर के भीतर विभागों, भवनों और सामान्य स्थानों में शौचालयों से सम्बन्धित सुविधाओं के आधार पर संकलित किया गया था। संकेतकों में मुख्य रूप से शौचालयों में बुनियादी सुविधाओं जैसे भवनों में लड़कियों और लड़कों के शौचालय की उपलब्धता, शौचालय सीटें, नल और शौचालय फ्लश शामिल हैं। स्वच्छता के लिए मूलभूत सुविधाओं के अलावा शौचालयों में पर्याप्त वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट फैन, लाइट फिटिंग, शौचालय के सभी दरवाजों पर बोल्ट की व्यवस्था, कंटेनर और कूड़ेदान की उपलब्धता का सर्वेक्षण भी किया गया।

मिलेगी मदद | लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयार किया वीसी केयर फंड के लिए मानक

आर्थिक तंगी के चलते नहीं छोड़नी पड़ेगी पढ़ाई

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की पढ़ाई अब आर्थिक तंगी के चलते बाधित नहीं होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस समस्या को दूर करने के लिए वीसी केयर फंड की स्थापना कर दी है। छात्रों को इसका लाभ कैसे मिले इसके लिए मानक भी बना दिए गये हैं।

जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय मदद देने के लिए निधि का प्रबंधन एक समिति द्वारा किया जाएगा। इसके सदस्यों मे अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, कुलपति की ओर से नामित 2 प्रोफेसरों और 1 छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इस फंड का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं वित्त अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से कुलपति के अनुमोदन पर किया जाएगा।

फंड में विदेशी नागरिक भी कर सकेंगे सहयोग

वीसी केयर फंड के लिए निधि में विदेशी नागरिक व उनकी संस्थाओं के लोग दान कर सकते हैं। यदि कोई दान किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए आता है तो फंड का उपयोग उस उद्देश्य के लिए ही किया जाएगा। दान के लिए न्यूनतम 50 हजार रुपये से लेकर जितना चाहे वह कर सकता है। जरूरत मंद छात्र को एक वित्तीय वर्ष में 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जा सकेगी।

समिति की सिफारिश पर कुलपति करेंगे विचार: वीसी केयर फंड प्रबंधन समिति नियमों के लेखा जोखा के लिए जिम्मेदार होगी और समिति अपनी सिफारिश कुलपति को उनके निर्णय के लिए प्रस्तुत करेगी। फंड के लिए केवल वहीं छात्र पात्र होगें, जिन्हे किसी भी स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद न मिलती हो। साथ ही पात्र छात्र किसी प्रकार के दंड का भागी न रहा हो। छात्र को किसी वित्तीय वर्ष में एक बार फंड का लाभ मिलने पर दूसरी बार वीसी केयर फंड के लिए पात्र नहीं होगा।

"वीसी केयर फंड की जरूरतमंद छात्रों के लिए व्यवस्था की गई है। इसके लिए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों व समाज के विशिष्ट जनों का भी सहयोग लिया जायेगा।"
-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय